नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 017
दि. 17.05.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

जनता दर्शन में फरियादियों ने लगाई इलाज और भू माफिया से निजात दिलाने की गुहार, सीएम योगी ने दिया ऐसा आदेश

गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 फरियादी पहुंचे थे.

(जीएनएस)।

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में दूर दराज से आए फरियादियों से मुलाकात की और उन्हें न्याय का भरोसा दिया. जनता दर्शन में करीब 200 फरियादी पहुंचे थे. समस्याएं सुनने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए. इस दौरान सबसे अधिक शिकायतें जमीन और इलाज से संबंधित थीं. इलाज के लिए सीएम ने आयुष्मान कार्ड बनवाने के साथ विवेकाधीन कोष से भी मदद का आश्वासन दिया. वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरु गोरखनाथ के किए दर्शन किए.

गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब 200 लोगों से मिले. सीएम ने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक जाकर उनकी समस्याएं सुनीं. प्रार्थना पत्र लेने के बाद अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए.

जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद का अनुरोध करने आए थे. एक महिला ने अपने बच्चे के इलाज में आर्थिक दिक्कत और आयुष्मान कार्ड न होने की समस्या बताई. इस पर आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए. जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं. मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट देकर आशीर्वाद दिया.

गोरखपुर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास के

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता मत करिए. बच्चे का इलाज जरूर होगा. आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे और विवेकाधीन कोष से इलाज में आर्थिक सहायता देंगे. एक अन्य महिला को भी उन्होंने आत्मीय संबल दिया. अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी पहले गोरखपुर पहुंचे केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरु गोरखनाथ मंदिर में बाबा के दर्शन किए. इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान, सदर सांसद रवि किशन भी मौजूद रहे.

पूजा अर्चना करते केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी व सीएम योगी.

हरदीप पुरी गोरखपुर से 20 किलोमीटर दूर ताल नदौर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास के अवसर पर गोरखपुर पहुंचे थे. इस अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 30 हजार दर्शक मैच का आनंद ले सकेंगे, यह स्टेडियम 'ग्राउंड प्लस टू फ्लोर' के हिसाब से बनेगा। इसके मेन ग्राउंड पर खिलाड़ियों के लिए 7 प्लेइंग पिच और 4 प्रैक्टिस पिच होगी. हालांकि हरदीप पुरी पहले गोरखनाथ मंदिर गए जहां योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया.

गोरखपुर को मिलेगा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, सीएम योगी ने किया शिलान्यास

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 393 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के साथ ही खेल और खिलाड़ियों के हित मे एक नई और बड़ी घोषणा भी कर दी. उन्होंने ऐलान किया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के बगल में रिजर्व कराई गई 60 एकड़ भूमि पर विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा. कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी मौजूद रहे.

सीएम योगी ने कहा कि यहां 46 एकड़ में 30 हजार दर्शकों की क्षमता का इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तो बनेगा ही, इसके बगल की 60 एकड़ भूमि पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बनाएंगे. इसमें हर तरह के इनडोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. वहां हॉकी और अन्य आउटडोर गेम्स भी हो सकेंगे. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने से इस क्षेत्र में होटल, रेस्त्रां, मार्केट की नई श्रृंखला भी तैयार होगी और बड़ी संख्या में नए रोजगार भी सृजित होंगे.

गोरखपुर में सीएम योगी का निरीक्षण, बोले- सड़क चौड़ीकरण में आवागमन और जलनिकासी का रखें पूरा ध्यान

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार (15 मई) शाम एचएन सिंह चौक से हड़हवा फाटक होते हुए जगेसर पासी चौराहे तक बन रही टूलेन-फोरलेन सड़क का चार स्थानों पर निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाने के साथ ही निर्देशित किया कि सड़क चौड़ीकरण में यह ध्यान रखा जाए ताकि आवागमन बाधित न होने पाए. यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सड़क पर कहीं भी पानी न जमा होने पाए.

गोड़धोइया नाला परियोजना का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री ने 495.24 करोड़ रुपये की लागत से हो रहे एचएन सिंह चौक-जगेसर पासी चौराहा सड़क चौड़ीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया. वह सबसे पहले सूर्यवंशी टॉवर के पास रुके. यहां उन्होंने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत लेआउट मॉडल को देखा और सड़क की लंबाई-चौड़ाई और अब तक निर्माण प्रगति की जानकारी ली.

सीएम ने विकास कार्यों का लिया जायजा

मुख्यमंत्री ने इस दौरान काम में और तेजी लाने के निर्देश दिए. कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने बताया कि अगले एक माह में कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा. इस दौरान सीएम ने अफसरों से कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे काम के दौरान आवागमन में कोई व्यवधान न हो. उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं का पूरा ध्यान रखना होगा. बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया जाए. सड़क के किनारे स्ट्रीट लाइट बेतरतीब न रहे. सड़क और इसके आसपास के मोहल्ले में जलजमाव न होने पाए. उन्होंने जलनिकासी के लिए हेड टू टेल मुकम्मल इंतजाम की हिदायत दी.

नीदरलैंड में बोले प्रधानमंत्री मोदी- ये आपदाओं का दशक, हालात नहीं बदले तो गरीबी में फसेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीदरलैंड दौरे पर हैं। उन्होंने वहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन गया है और अब ग्रोथ इंजन बनना चाहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज का भारत बड़े सपने देख रहा है। भारत ने चांद पर भी वहां पहुंचकर इतिहास रचा, जहां कोई नहीं पहुंच सका था। समय के साथ चीजें बदल गईं, लेकिन भारतीय संस्कृति आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है।"

प्रधानमंत्री ने कहा- भारतीय युवा आसमान छूना चाहता है

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज हमारा भारत भी बहुत बड़े सपने देख रहा है। आज देश कह रहा है हमें सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं चाहिए हमें बेस्ट चाहिए और बेस्ट ही नहीं हमें फास्टेस्ट चाहिए। आज भारत का युवा आसमान

छूना चाहता है, वो स्टार्टअप शुरू करना चाहता है, अक और सेमीकंडक्टर में देश को आगे ले जाना चाहता है। हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम वाले देश हैं। भारत चाहता है कि वह दुनिया का ग्रोथ इंजन बने।"

भारत ओलिंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहता है- मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज भारत की चाहतें सीमाओं तक सीमित नहीं है। भारत चाहता है ओलंपिक की मेजबानी करे, वैश्विक ऊर्जा लीडर और हरित ऊर्जा लीडर बने और दुनिया की ग्रोथ का इंजन बने। हमारे प्रयासों की गति भी अनलिमिटेड है। रिकॉर्ड हाईवे निर्माण, वंदे भारत जैसी ट्रेनें। बड़े से बड़ा लक्ष्य हो, आज का भारत कहता है कि हम यह लक्ष्य पाकर ही रहेंगे। आज का भारत अभूतपूर्व परिवर्तन से गुजर रहा है।"

प्रधानमंत्री बोले- ये दशक आपदाओं का दशक

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज की दुनिया नई चुनौतियों से जूझ रही है। पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट। ये दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन गया है।

'सीएम योगी से झगड़ लूंगा पर आपको मंत्री बनवा कर रहूंगा', अखिलेश यादव से ऐसा क्यों बोले ओमप्रकाश राजभर?

(जीएनएस)।

लखनऊः यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर अपने अलहदा अंदाज के लिए जाने जाते हैं। पिछले कुछ समय से वह लगातार सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जुबानी वार कर रहे हैं। एक दिन पहले अखिलेश यादव ने योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सवाल उठाए थे। इस पर ओमप्रकाश राजभर ने अपने हैंडल पर अवधी बोली में पोस्ट करते हुए अखिलेश पर पलटवार किया है। उन्होंने यहां तक लिख दिया कि सुभासपा जॉइन कर लीजिए, वह

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से झगड़ा कर लेंगे, लेकिन आपको एक विभाग का मंत्री बनवा कर रहेंगे।

ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार को पहले अवधी में पोस्ट लिखा। फिर नीचे हिंदी में भी वही बात डाली। अवधी में राजभर ने लिखा है- 'अखिलेश यादव जी, अभइं तोहरे भाई क देहांत भयल ह, पूरा परिवार परेशान ह.. यही कारन हमहू तोहरे दुख में शामिल हईं और तोहार समाज बांटे वाली राजनीति पर लिखे-बोले बंद कर देले रहली। मगर तू एतना बड़ा सत्ता क लालची हउवा कि परिवार के 'गमी' पड़ल ह, तब्बो तोके राजनीति खेले के ह। दूसरे के घर में का चलत ह, एकर चिंता ढेर ह तोके। लगत ह तू लाज सरम सब घोर के पी गयल हउवा।'

'कम स कम तेरही तक त रुक गयल होता'

सुभासपा प्रमुख ने आगे लिखा- 'कम स कम तेरही तक त रुक गयल होता... ओकरे बाद कर लेहल जाई बिचार क राजनीति, कुछ तू हमके कहता, कुछ हम तोहके सुनाइत.. लेकिन तोहार ई रंग-ढंग अगर गोलोकगामी भाई साहब देखत होइहं...त का सोचत होइ हं तोहरे बारे में.. रहल बात मंत्रिमंडल के बढ़ले और विभागन क बंटवारा अब ले ना भइल.. त भाई तू काहे परेशान हउवा.. तोहके का लगत ह कि एक-आक विभाग तोहूं के मिल जाए का? अगर इच्छुक हउवा त तुरंत सुभासपा ज्वाइन करा.. माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से अझुरा जाब (झगड़ा कर लेंगे), लेकिन तोहके कौनो न कौनो विभाग क मंत्री बनवा के रहब। बेगाने मंत्रिमंडल में अखिलेश दीवाना!'

अखिलेश ने मंत्रिमंडल विस्तार पर उठाए थे सवाल

आपको बता दें कि अखिलेश यादव ने लंबा चौड़ा पोस्ट कर योगी मंत्रिमंडल विस्तार पर सवाल उठाए थे। अखिलेश ने लिखा था कि यूपी में मंत्रियों के नामों के बाद अब वर्ग या उनके विभागों की पर्ची भी ऊपर से आएगी।

स्वीडन की यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने पांच देशों के दौरे के तहत कल स्वीडन जाएंगे। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के लिए वर्ष 2018 में स्वीडन की यात्रा के बाद यह उनकी दूसरी नॉर्डिक यात्रा होगी। स्वीडन के औद्योगिक केंद्र गोथेनबर्ग की यात्रा से भारत और स्वीडन के बीच द्विपक्षीय संबंधों विशेष रूप से व्यापार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे उभरते और उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आकाशवाणी से विशेष बातचीत में स्वीडन में भारत के राजदूत श्री अनुराग भूषण ने इस यात्रा के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच सहयोग और नवाचार के नए द्वार खुलेंगे।

पुणे स्थित आईसीएआर के राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के निदेशक को कारण बताओ नोटिस

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली में आईसीएआर के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक लेकर संस्थानों की कार्यप्रणाली, जवाबदेही, गुणवत्ता और किसानोन्मुख परिणामों को लेकर स्पष्ट और सख्त दिशा तय की। उन्होंने कहा कि आईसीएआर की संस्थाएं देश की कृषि प्रगति की धुरी हैं, इसलिए इनके कामकाज में उत्कृष्टता, दृष्टि, जवाबदेही और परिणाम अनिवार्य हैं।

'अफसर से जूते साफ कराने' वाले मामले में आजम खान को 2 साल की जेल, क्या था वो विवादित मामला जिसने डुबोई लुटिया

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति के सबसे कद्दावर और विवादित चेहरों में से एक, समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रामपुर की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट से उन्हें एक और बहुत बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक प्रशासनिक अधिकारी यानी तत्कालीन जिलाधिकारी (डीएम) पर की गई बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आजम खान को दोषी करार दिया है।

इस हाई-प्रोफाइल मामले में कोर्ट ने सपा नेता को 2 साल के कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही उन पर 5 हजार रुपये का आर्थिक जुमार्ना भी ठोका है। फिलहाल आजम खान और उनके पूर्व विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम रामपुर जेल की सलाखों के पीछे बंद हैं। कुछ समय पहले ही वे

फर्जी पैन कार्ड मामले में दोबारा जेल भेजे गए थे। आइए जानें आखिर वह कौन सा बयान था, जिसने आजम खान को इस मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है।

यह पूरा विवाद साल 2019 के आम चुनावों के समय का है, जब राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर था। रामपुर के भोट थाना क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए आजम खान ने मंच से आपा खो दिया था। उन्होंने वहां मौजूद जनता के सामने तत्कालीन जिला निर्वाचन अधिकारी यानी डीएम को सीधे निशाने पर लिया था।

चुनावी रैली में दिए गए उनके उस तीखे और विवादित बयान थे,

"आप सब लोग अपनी जगह पर डटे रहिए, इस कलेक्टर-पलेक्टर से डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। यह सरकारी लोग सिर्फ तनख्वाह पाने वाले कर्मचारी (तनखैया) हैं और हमें इनसे घबराने की जरूरत नहीं है।

'सुधर जाओ, वरना इतिहास बन जाओगे', आर्मी चीफ ने पाकिस्तान के लिए अब क्यों कहा ऐसा?

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और सीमा पार से जारी प्रायोजित आतंकवाद के बीच भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस्लामाबाद को अब तक की सबसे सख्त और सीधी चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान लगातार आतंकवादियों को पनाह देता रहा और भारत के खिलाफ

गतिविधियां जारी रखीं, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास

सेना प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के महीनों में तनाव लगातार चर्चा में रहा है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 'सेना संवाद' कार्यक्रम में यह बयान दिया। यह कार्यक्रम 'यूनिफॉर्म अनवील्ड' की ओर से आयोजित किया गया था। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि अगर भविष्य में फिर से ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां बनती हैं तो भारतीय सेना की प्रतिक्रिया क्या होगी? इस सवाल के जवाब में सेना प्रमुख ने कहा-अगर आपने मेरे पुराने बयान सुने होंगे तो मैंने साफ कहा है कि पाकिस्तान यदि आतंकवादियों को शरण देता रहेगा और भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाता रहेगा, तो उसे तय करना होगा कि वह भूगोल में रहना चाहता है या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है।

वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने गांधीनगर में ब्रिक्स बैठक में व्यापार और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की

वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने गुजरात के गांधीनगर में व्यापार और आर्थिक मुद्दों पर ब्रिक्स संपर्क समूह (सीजीईटीआई) की दूसरी बैठक में मुख्य भाषण दिया। यह बैठक मार्च 2026 में वर्चुअल रूप से आयोजित सीजीईटीआई की पहली बैठक के बाद हुई।

श्री अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स लगातार मजबूत होता जा रहा है तथा यह उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रभावी आवाज के रूप में उभरा है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

गोरखपुर में रविवार से शुरू होगा भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग, कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देंगे सीएम योगी

(जीएनएस)।

गोरखपुर। भाजपा की ओर से देश भर में चलाए जा रहे जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग अभियान के क्रम में रविवार से गोरखपुर संगठनात्मक जिले का प्रशिक्षण वर्ग शुरू होने जा रहा है। यह आयोजन केवल संगठनात्मक औपचारिकता नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा रण से पहले भाजपा की राजनीतिक बिसात बिछाने की तैयारी है।

दो दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वह आगामी चुनावी चुनौतियों, बूथ प्रबंधन और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का मंत्र देंगे।

गोरखपुर में आयुष मंत्री के काफिले के सामने दो पक्षों में चले भाजपा इन दिनों प्रशिक्षण वर्ग के जरिये बूथ से लेकर जिले तक संगठन की नसों में नई ऊर्जा दौड़ाने में जुटी है। सहजनवां में होने वाला प्रशिक्षण वर्ग उसी श्रृंखला में पूर्वांचल की चुनावी राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा। भाजपा जानती है कि विधानसभा चुनाव केवल नारों से नहीं, बल्कि बूथ की मजबूती से जीते जाते हैं।

यही वजह है कि प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं को इंटरनेट मीडिया संचालन, केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के प्रचार, लाभार्थी संपर्क, विपक्ष के आरोपों का जवाब देने और बूथ सशक्तीकरण जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रशिक्षण वर्ग के अलग-अलग सत्रों में भाजपा की वैचारिक यात्रा, राष्ट्रवाद, अंत्योदय, संगठन की कार्यपद्धति, चुनाव प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान पर चर्चा होगी। वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को यह भी बताएंगे कि बदलते राजनीतिक वातावरण में जनता के बीच संवाद कैसे स्थापित करना है।

भाजपा का फोकस इस बार केवल भीड़ जुटाने पर नहीं, बल्कि "प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही चुनावी जीत की रीढ़ हैं" की अवधारणा पर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन इस प्रशिक्षण वर्ग का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण होगा। भाजपा के स्थानीय नेताओं का मानना है कि मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में पूरी क्षमता के साथ उतर जाने का हौसला मिलेगा।

भाजपा की रणनीति साफ है, संगठन की मशाल गांव-गांव तक पहुंचे और कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को जनता की चौपाल तक ले जाएं।

रणनीतिक सभा में चुनावी योद्धा तैयार करना है लक्ष्य

यह आयोजन राजनीतिक रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पूर्वांचल हमेशा से भाजपा की ताकत का बड़ा केंद्र रहा है। यह प्रशिक्षण वर्ग केवल सीखने का मंच नहीं, बल्कि चुनावी रणभेरी से पहले सेनापतियों की रणनीतिक सभा साबित होगा। इसी सोच के साथ संगठन कार्यकर्ताओं को चुनावी योद्धा की तरह तैयार करने के लक्ष्य के साथ भाजपा कार्य कर रही है।

कानपुर, लखनऊ से अयोध्या के बीच 160 किमी. रफ्तार से दौड़ेगी रैपिड रेल, 187 किमी में होंगे 12 स्टेशन, पूरा रूट मैप

(जीएनएस)।

दिल्ली-एनसीआर की तरह उत्तर प्रदेश में अपना राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) तैयार हो ही रहा है. इस रीजन में हाई स्पीड रेल नेटवर्क की तैयारी में भी यूपी की आदित्यनाथ सरकार जुट गई है. उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र (वढ रउफ) के डेवलपमेंट प्लान के तहत कानपुर-उन्नाव-लखनऊ-अयोध्या के बीच नमो भारत कॉरिडोर बनाने और रैपिड रेल चलाने की तैयारी है. यानी इन शहरों के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से नमो भारत ट्रेन चलेगी, जैसी कि अभी दिल्ली से मेरठ के बीच चल रही है. इस हाई स्पीड रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (फ्म्ळर) यानी नमो भारत कॉरिडोर का मास्टर प्लान तैयार किया गया है.परियोजना का व्यापक रूपरेखा लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) में सलाहकार एजेंसी ने दिया है. इसमें नयागंज (कानपुर) उन्नाव, बशीरतपुर, नवाबगंज, बंथरा, अमौसी (लखनऊ), सुशांत गोल्फ सिटी, जुग्गौर, बरेल, सफदरगंज, भिटरिया और अयोध्या में स्टेशन का प्रस्ताव है.

कानपुर से अयोध्या महज डेढ़ घंटे में

इस कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 187 किलोमीटर होगी. इस हाई स्पीड रैपिड रेल के शुरू होने से कानपुर से अयोध्या का सफर महज डेढ़ घंटे में पूरा हो सकेगा. इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 32 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है. नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (ठउफ्ळउ) और यूपी सरकार मिलकर संयुक्त रूप से इस पर आगे काम करेंगे.

कानपुर-अयोध्या नमो भारत कॉरिडोर

कानपुर-अयोध्या नमो भारत कॉरिडोर को दो मुख्य चरणों में तैयार करने का प्रस्ताव है.पहले चरण में कानपुर के नयागंज से लखनऊ के

अमौसी (एयरपोर्ट) तक करीब 67 किलोमीटर लंबा सेक्शन पहले विकसित करने का प्लान है. दूसरे चरण में इस लाइन को अमौसी से आगे बढ़ाकर लखनऊ सिटी, बाराबंकी होते हुए अयोध्या तक पूरा किया जाएगा.इस पूरे कॉरिडोर पर कुल 12 स्टेशन बनाए जाने का प्रस्ताव है. इन स्टेशनों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष इकोनॉमिक और कमर्शियल हब बनाया जाएगा.

लखनऊ बनेगा सराय काले खां जैसा मुख्य इंटरचेंज

दिल्ली-ठउफमें दिल्ली-मेरठ नमो भारत ट्रेन के सराय काले खां की तर्ज पर इस नेटवर्क में लखनऊ को सबसे बड़ा रीजनल इंटरचेंज हब बनाया जाएगा. इससे कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी और अयोध्या के बीच रोजमर्रा के यात्रियों, नौकरीपेशा युवाओं, छात्रों और पर्यटकों को हाईस्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी.

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

कानपुर-अयोध्या नमो भारत प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य केवल लखनऊ के आसपास इन शहरों के बीच यात्रा का समय कम करना नहीं है. साथ ही उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन (वढ रउफ) के बड़े शहरों में आर्थिक, औद्योगिक, रियल एस्टेट और धार्मिक पर्यटन (जैसे अयोध्या राम मंदिर के लिए) की गतिविधियों को एक नई रफ्तार देना है.

कनेक्टिविटी के लिए 40 और 90 मिनट का फॉर्मूला

कानपुर से लखनऊ मात्र 40 मिनट: अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में कानपुर (नयागंज) से लखनऊ (अमौसी) के बीच का 67 किलोमीटर का नमो भारत ट्रैक शुरू होगा तो दोनों शहरों के बीच की दूरी मात्र 40 मिनट में तय हो सकेगी.जब दूसरे फेज में यह कॉरिडोर पूरी तरह अयोध्या तक (187 किमी) तक जाएगा तो पूरी यात्रा सिर्फ डेढ़ घंटे में सिमट जाएगी.

टाउनशिप और इकोनॉमिक जोन का मास्टरप्लान

प्रजेंटेशन का सबसे बड़ा प्वाइंट ट्रांसपोर्ट के अलावा ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (ळडऊ) नीति पर था. सभी 12 स्टेशनों रैपिड रेल सिर्फ ठहराव ही नहीं विशेष आर्थिक और कमर्शियल हब के तौर पर डिजाइन किया गया है.प्रेजेंटेशन में तकनीकी व्यवहार्यता और वित्तीय मॉडल का शुरूआती खाका भी सरकार के समक्ष रखा गया है, ताकि जल्द से जल्द कैबिनेट से औपचारिक वित्तीय मंजूरी ली जा सके.

अमौसी (लखनऊ): इसे मॉडर्न एयरोहब के रूप में विकसित किया जाएगा, जो चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे इंटीग्रेटेड होगा.

उन्नाव और भिटरिया: इन स्टेशनों के पास लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट डिस्ट्रिक्ट बनाए जाएंगे ताकि माल ढुलाई और भारी वाहनों की कनेक्टिविटी सुधरे.

नवाबगंज: चूंकि यह बर्ड सेंचुरी के पास है, इसलिए इस पूरे स्टेशन एरिया को इको-टूरिज्म जोन के रूप में डेवलप करने का प्लान है.

बंथरा: इसे पूरी तरह से इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तौर पर प्रमोट किया जाएगा.

अयोध्या: इसे एक ग्लोबल टूरिज्म और हेरिटेज हब की तरह पेश किया गया है, जहां उतरते ही यात्रियों को आध्यात्मिक माहौल मिलेगा.

लखनऊ- दिल्ली-ठउफके सराय काले खां स्टेशन की तर्ज पर लखनऊ को इस पूरे नेटवर्क का प्राइमरी रीजनल इंटरचेंज बनाया जाएगा.

उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन दिल्ली एनसीआर जैसी रफ्तार

प्रस्ताव में कहा गया है कि ये नमो भारत प्रोजेक्ट यूपी के स्टेट कैपिटल रीजन (वढ-रउफ) की रीढ़ की हड्डी बनेगा. इसके दायरे में आने वाले 6 प्रमुख जिले लखनऊ, उन्नाव, कानपुर, बाराबंकी, रायबरेली और अयोध्या एक दूसरे से सीधे हाई स्पीड नेटवर्क से जुड़ जाएंगे. इससे लोग एक शहर में रहकर दूसरे शहर में आसानी से डेली अप डाउन कर सकेंगे, जिससे रियल एस्टेट और रोजगार के अवसरों में भारी उछाल आएगा.

प्रतीक यादव की अस्थियां गंगा में विसर्जित, कलश थामे बिलखती रही बेटी, फूट-फूटकर रोईं पत्नी अपर्णा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के पुत्र और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव की अस्थियां आज शनिवार को हरिद्वार में पवित्र गंगा की लहरों में विसर्जित कर दी गईं। लखनऊ से लेकर हरिद्वार तक का माहौल आज बेहद गमगीन रहा, जहां परिवार के सदस्यों ने नम आंखों से अपने प्रिय को अंतिम विदाई दी।

आइए जानतें हैं इस दौरान हरिद्वार के घाट पर वो कौन सा मंजर था जिसे देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं।

चार्टर्ड प्लेन से देहरादून और फिर हरिद्वार का सफर

प्रतीक यादव की पत्नी और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे पूरे परिवार के साथ लखनऊ स्थित आवास से एयरपोर्ट के लिए निकलीं। परिवार ने अस्थि विसर्जन के लिए चार्टर्ड प्लेन बुक किया था, जिससे वे देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर बदायूं सांसद आदित्य यादव अस्थि कलश लेकर आगे चल रहे थे, जबकि देहरादून पहुंचने पर पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव ने कलश संभाला।

हरिद्वार के वीआईपी घाट पर विसर्जन के दौरान एक ऐसा दृश्य

सामने आया जिसने पत्थर दिल इंसान को भी रुला दिया। प्रतीक यादव की छोटी बेटी ने अपने पिता की अस्थियों के साथ एक कार्ड भी गंगा में विसर्जित किया, जिस पर लिखा था- 'कछडश्ए ढअढअ'। अस्थि कलश को पकड़कर छोटी बेटी बिलख-बिलख कर रोने लगी, जिसे देख मां अपर्णा यादव और परिवार के अन्य सदस्य खुद को संभाल नहीं पाए।

बाबा रामदेव और स्वामी अवधेशानंद की मौजूदगी में अनुष्ठान

अस्थि विसर्जन की धार्मिक प्रक्रिया जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और योग गुरु बाबा रामदेव की मौजूदगी में संपन्न हुई। विसर्जन से पहले वीआईपी घाट पर विशेष पूजन और अनुष्ठान किया गया, जिसमें अपर्णा यादव मंत्रोच्चार करती नजर आईं। पूजन के बाद आदित्य यादव कलश लेकर घाट के किनारे पहुंचे और पूरे परिवार की मौजूदगी में अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया गया।

तीर्थ पुरोहित के पास दर्ज हुई परिवार की वंशावली

धार्मिक परंपरा के अनुसार, विसर्जन के बाद तीर्थ पुरोहित ने परिवार की वंशावली में प्रतीक यादव का विवरण दर्ज किया। शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव ने परिवार की ओर से पूरा विवरण दर्ज कराया। इस दौरान अक्षय यादव (प्रो. राम गोपाल यादव के बेटे) भी पूजन सामग्री और रस्मों में हाथ बंटाते नजर आए।

राजनीति से दूर, सादगी और विवादों के बीच का सफर

38 वर्षीय प्रतीक यादव का निधन 13 मई को लखनऊ में हुआ था। वह मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी से पढ़े प्रतीक को महंगी कारों और फिटनेस का बेहद शौक था, लेकिन उन्होंने हमेशा खुद को राजनीति से दूर रखा।

हालांकि, उनकी पत्नी अपर्णा यादव राजनीति में सक्रिय हैं। 2022 में अपर्णा और प्रतीक की कुल संपत्ति करीब 23 करोड़ रुपए आंकी गई थी। प्रतीक और अपर्णा की 14 साल पहले लव मैरिज हुई थी, और हाल ही में उनके बीच कुछ अनबन की खबरें आई थीं, लेकिन बाद में 'All is Good' लिखकर प्रतीक ने सुलह का संदेश दिया था।

'यूपी में आया अद्भुत बदलाव', हरदीप सिंह पुरी बोले- विकास और कानून-व्यवस्था में सीएम योगी ने पेश की मिसाल

(जीएनएस)।

गोरखपुर। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में आए शानदार बदलाव का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए कहा कि बीते नौ वर्षों में उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में एक नई मजबूत पहचान बनाई है। पेट्रोलियम मंत्री शनिवार को गोरखपुर में सीएम योगी की उपस्थिति में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री के रूप में पिछले कुछ सालों में मैंने उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन देखा है, वह अद्भुत है। मैं दावे से कह सकता हूं कि ऐसा शानदार उदाहरण देश में कहीं और नहीं दिखा है। योगी जी के नेतृत्व में 2017 के बाद उत्तर प्रदेश ने नई पहचान बनाकर अन्य राज्यों के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया है। एक समय उत्तर प्रदेश की चर्चा जनसंख्या को लेकर होती थी, लेकिन अब यह विकास, कानून-व्यवस्था और सुशासन के लिए जाना जाता है। कानून-व्यवस्था में व्यापक सुधार से निवेशकों में नया विश्वास पैदा हुआ। विकास और रोजगार की गति तेज हुई है। उत्तर प्रदेश निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएम योगी की छवि दृढ़ प्रशासक की है। साथ ही उनमें हर विषय को गहराई में देखने का सामर्थ्य है। किसी विषय को बारीकी से समझकर ही वह निर्णय लेते हैं और क्रियान्वित करते हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर शनिवार सुबह सीएम योगी के साथ हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि योगी जी ने राष्ट्रहित में एथेनॉल ब्लेंडिंग के प्रस्ताव को यूपी में लागू करने की बात कही है। केंद्रीय शहरी आवासन मंत्री के रूप में पीएम

आवास योजना से जुड़ा अनुभव साझा करते हुए श्री पुरी ने बताया कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश से सिर्फ 17 हजार आवासों की डिमांड आई थी, योगी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह 17 लाख पार कर गई। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में रोड, एयर, मेट्रो कनेक्टिविटी, डिफेंस कॉरिडोर, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन के क्षेत्र में हुई प्रगति को उल्लेखनीय बताया। साथ ही कहा कि यूपी में हरित ऊर्जा और कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। यह किसानों की आय बढ़ाने में भी मददगार है। यूपी में लग रहे सीबीजी प्लांट ह्वेस्ट टू वेल्थह्व विजन को साकार कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गोरखपुर में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि आज केवल स्टेडियम परियोजना का शिलान्यास ही नहीं हो रहा, बल्कि युवाओं के सपनों और संभावनाओं को नई दिशा देने का संकल्प सिद्धि की ओर बढ़ रहा है। स्टेडियम निर्माण में पेट्रोलियम मंत्रालय के इंडियन ऑयल ने 60 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। अन्य पेट्रोलियम कम्पनियों ने भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी उठाई है। यह स्टेडियम आने वाले समय के युवाओ के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। यहां नई खेल प्रतिभाएं जन्म लेंगी और भारत का भविष्य निखरेगा।

अब पूर्वांचल में तैयार होंगे रोहित व विराट जैसे खिलाड़ी: कमलेश पासवान

इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि गोरखपुर में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के जरिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात दी है। इससे आने वाले समय में पूर्वांचल में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी तैयार होंगे। वर्ष 2029 में यहां आईपीएल के मैच हो सकेंगे। सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश और गोरखपुर का अभूतपूर्व विकास हुआ है। अब यहां स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर भी विश्वस्तरीय बन रहा है।

सीएम योगी के नेतृत्व में तेजी से खेल क्षेत्र का विकास: गिरीश चंद्र यादव

शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खेल क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सरकार ने ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाने की पहल की है। सबसे बड़ी आबादी का राज्य होने के बाद भी यूपी में खेल विश्वविद्यालय नहीं था। मुख्यमंत्री के विजन से मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर खेल विश्वविद्यालय बनाया गया है। सरकार ने हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने का काम आगे बढ़ाया है। सीएम योगी ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेता खिलाड़ियों को रोजगार की गारंटी दे रखी है।

जो कहते हैं, वो पूरा करते हैं सीएम योगी: रविकिशन

इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर में भी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनेगा, यह किसी ने सोचा भी नहीं था। सीएम योगी ने युवा खेल प्रतिभाओं को पंख देने के लिए इस स्टेडियम की सौगात दी है। यहां विश्व के सारे खिलाड़ी खेलने आएंगे। इस स्टेडियम के बन जाने से रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। डबल इंजन की सरकार में कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। मुख्यमंत्री जो कहते हैं, उसे पूरा भी करते हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री और अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के रूप में मुख्यमंत्री जी ने पूर्वांचल के युवाओं को बहुत बड़ा उपहार दिया है।

यूएई में भारत का 'तेल वाला मास्टरस्ट्रोक'! क्रूड स्टॉक से क्या बदल जाएगा? मोदी की डील ने बढ़ाई पाक-चीन की टेंशन

(जीएनएस)।

भारत ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो आने वाले समय में सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों ही नहीं, बल्कि देश की पूरी ऊर्जा सुरक्षा की तस्वीर बदल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान भारत और यूएई के बीच हुई नई रणनीतिक एनर्जी डील ने दुनिया का ध्यान खींच लिया है।

इस समझौते के तहत वअए अब भारत के स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व में 3 करोड़ बैरल तक कच्चा तेल स्टोर करेगा। ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है और वैश्विक तेल बाजार लगातार अस्थिर बना हुआ है, यह समझौता भारत के लिए किसी "इमरजेंसी सुरक्षा कवच" से कम नहीं माना जा रहा।

भारत का तेल सुरक्षा प्लान क्या है?

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदता है। ऐसे में अगर युद्ध, समुद्री तनाव या सप्लाई रुकने जैसी स्थिति पैदा हो जाए तो भारत पर सीधा असर पड़ता है। इसी खतरे से बचने के लिए भारत ने Strategic Petroleum Reserve यानी SPR तैयार किया है।

यह ऐसे विशाल भूमिगत भंडार होते हैं, जहां कच्चा तेल स्टोर किया जाता है ताकि संकट के समय देश की जरूरतें पूरी की जा सकें। अब वअए की सरकारी तेल कंपनी अउ्ठडउ और स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड के बीच हुए नए समझौते के बाद वअए भारत में अपना तेल स्टोर करेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि अब वअए की हिस्सेदारी भारत के रणनीतिक तेल भंडार में बढ़कर 30 मिलियन बैरल यानी करीब 3 करोड़ बैरल तक पहुंच जाएगी।

आखिर 3 करोड़ बैरल तेल कितना बड़ा गेमचेंजर है?

सामान्य लोगों के लिए 3 करोड़

बैरल सिर्फ एक आंकड़ा लग सकता है, लेकिन ऊर्जा सेक्टर में यह बेहद बड़ा स्टॉक माना जाता है। भारत रोजाना लाखों बैरल तेल की खपत करता है। अगर वैश्विक संकट के कारण अचानक सप्लाई रुक जाए, तो यही रिजर्व देश को कुछ समय तक राहत दे सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे अहम समुद्री रास्तों पर खतरे के बीच यह समझौता भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे अहम तेल ट्रांजिट रूट्स में गिना जाता है। यहां किसी भी तरह की रुकावट का असर सीधे वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ता है।

भारत और UAE दोनों ने साफ कहा है कि समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और बिना रुकावट आवाजाही बेहद जरूरी है। इसका सीधा मतलब यह है कि दोनों देश अब सिर्फ व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोगी की भूमिका में आगे बढ़ रहे हैं।

सिर्फ तेल नहीं, गैस और LPG पर भी बड़ा समझौता

इस यात्रा में सिर्फ कच्चे तेल पर ही बात नहीं हुई। भारत और वअए ने भारत में स्ट्रेटजिक गैस रिजर्व बनाने पर भी साथ काम करने का फैसला किया है। इसके अलावा IndianOil Corporation और ADNOC के बीच लंबी अवधि तक LPG सप्लाई को लेकर भी समझौता हुआ है।

इसका असर आने वाले समय में घरेलू गैस सप्लाई और रसोई गैस बाजार पर भी दिखाई दे सकता है। भारत लगातार अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने की दिशा में काम कर रहा है ताकि अंतरराष्ट्रीय संकटों का असर आम लोगों पर कम पड़े।

मोदी की अबू धाबी यात्रा में और क्या-क्या हुआ?

ऊर्जा समझौते के अलावा वअए ने भारत में 5 अरब डॉलर तक के निवेश का भी ऐलान किया है। यह निवेश बैंकिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और फाइनेंस सेक्टर में किया जाएगा।

इसके साथ ही रक्षा, समुद्री सहयोग, जहाज निर्माण और एडवांस कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच नए समझौते हुए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि भारत और वअए अपने रिश्तों को सिर्फ तेल कारोबार तक सीमित नहीं रखना चाहते।

प्रधानमंत्री मोदी और वअए के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच हुई बातचीत में क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर भी फोकस रहा। भारत ने UAE पर हुए हमलों की निंदा करते हुए उसके साथ एकजुटता दिखाई।

आम लोगों पर क्या असर पड़ेगा?

इस डील का सबसे बड़ा फायदा यह हो सकता है कि भविष्य में अगर वैश्विक संकट के कारण तेल सप्लाई प्रभावित होती है, तब भी भारत के पास बैकअप मौजूद रहेगा। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अचानक होने वाले बड़े झटकों को कुछ हद तक कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि तुरंत पेट्रोल सस्ता हो जाएगा, लेकिन लंबे समय में यह कदम भारत को ऊर्जा संकट से बचाने में मदद करेगा। इससे भारत की बार्गेनिंग पावर भी मजबूत होगी और देश को तेल सप्लाई के मामले में ज्यादा स्थिरता मिलेगी।

भारत-UAE रिश्ते अब नए दौर में

पिछले कुछ वर्षों में भारत और वअए के रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं। व्यापार, निवेश, रक्षा और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में दोनों देश लगातार करीब आए हैं। अब ऊर्जा सुरक्षा में इतनी बड़ी साझेदारी यह दिखाती है कि दोनों देशों का रिश्ता सिर्फ कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक स्तर पर भी काफी गहरा हो चुका है।

दुनिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच भारत अपने ऊर्जा स्रोतों को सुरक्षित करने की जिस रणनीति पर काम कर रहा है, वअए के साथ यह समझौता उसी दिशा में एक बड़ा और दूरगामी कदम माना जा रहा है।

लखनऊ-वाराणसी में अब बढ़ेगा तापमान, दो दिन बाद से फिर चलेगी उष्म लहर

(जीएनएस)।

वाराणसी/लखनऊ। निचले क्षोभमंडल में प्रदेश के पश्चिमोत्तर भाग पर बने चक्रवाती परिसंचरण व बंगाल की खाड़ी की तरफ से चली पुरवा हवाओं की मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं के साथ हुई प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप बुधवार की शाम 60-70 किमी प्रति घंटा के वेग से आई तेज-आंधी संग बरसे छह मिमी पानी के बाद गिरा तापमान गुरुवार को फिर अपनी ऊंचाई की ओर बढ़ चला।

आंशिक बादल जरूर रहे लेकिन तापमान एक दिन पूर्व की बराबरी के करीब जा पहुंचा। इससे तीखी धूप और प्रचंड गर्मी में उमस का तड़का लगा तो लोग बेहाल हो उठे।

मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अब तापमान बढ़ेगा और दो दिन बाद रविवार से अधिमास के आरंभ के साथ ही उष्म लहर का चलना भी आरंभ हो जाएगा और फिर क्रमशः बढ़ता तापमान आने वाले दिनों में गर्मी, तापलहर व उसम भरी भीषण गर्मी का दौर आरंभ जो जाएग जो नौतपा तक अनवरत जारी रह सकता है। गुरुवार की दोपहर तक हल्के बादलों के टुकड़े. जरूर तैरते दिखे लेकिन धूप की प्रखरता ने उसकी तीव्रता को बढ़ा दिया था। तापमान में मामूली कमी के अतिरिक्त कोई विशेष परिवर्तन नहीं रहा। लोग चिलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। गुरुवार को अधिकतम तापमान में मह 0.6 डिग्री सेल्सियस की कमी हुई और यह सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस कम होकर सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे 23 डिग्री सेल्सियस रहा।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ईरान ने अमेरिका को दी न्यूक्लियर धमकी

अमेरिका की तरफ से शांति प्रस्ताव पर ईरान के जवाब को खारिज किए जाने के बाद पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिए जवाब से राष्ट्रपति ट्रंप बौखला गए हैं। उन्हें ईरान का जवाब बिल्वुल पसंद नहीं आया। उधर ईरान ने अमेरिका को ऐसी धमकी दे दी है जो ट्रंप के लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है। पहले से ही जो शांति वार्ता वेंटिलेटर पर थी, वो अब और नाजुक हालत में पहुंच सकती है। इस बार ईरान ने साफ कर दिया है कि वो वेपन्स ग्रेड परमाणु बम बनाने से सिर्प एक कदम दूर है और इसे हासिल करने का आदेश कभी भी दे सकता है। परमाणु हमले को लेकर ईरान ने सख्त चेतावनी देते हुए लहजे में 90 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम को शुद्ध करने की बात कही है। ईरान के संसद के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने मंगलवार को कहा है कि अगर ईरान पर फिर हमला हुआ तो वह यूरेनियम को 90 प्रतिशत शुद्ध कर सकता है। ऐसे में यह यूरेनियम परमाणु हथियार के लिए कारगर होगा। यह चेतावनी उन्होंने एक्स के माध्यम से दी है।

पिछले जून 2025 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कहा गया था कि इजरायल और यूएस के हमले की वजह से ईरान के यूरेनियम संदर्भ की क्षमता को नुकसान पहुंचा था। फिलहाल, जो संवर्धित यूरेनियम 60 प्रतिशत ईरान के पास है। जिसकी मात्रा लगभग 400 किलो है, फिलहाल इसके बारे में किसी तरह की जानकारी नहीं है। अमेरिका लगातार ईरान से परमाणु कार्यव्रम छोड़ने की मांग कर रहा है। उधर अमेरिकी सीव्रेट एजेंसियों की तरफ से कहा गया है कि जब तक ईरान के इस यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता तब तक किसी तरह का असर ईरान परमाणु कार्यव्रम पर नहीं पड़ेगा। 28 फरवरी से जारी जंग में फिलहाल सीजफायर लागू है। लेकिन यह बेहद ही संवेदनशील सीजफायर माना जा रहा है। ऐसे में दोनों पक्ष किसी भी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं।

अमेरिका लगातार मांग कर रहा है कि ईरान अपने परमाणु कार्यव्रम को छोड़ दे। लेकिन ईरान भी अपनी शतरे पर अड़ा हुआ है। ईरान बोला- अमेरिका के पास प्रस्ताव स्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं, वहीं अमेरिका के पास ईरान की तरफ से बताए गए 14 सूत्रीय प्रस्ताव को स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। ऐसा ईरान के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा है। जितना अमेरिका देर करेगा, वहां के टैक्सपेयर्स को उतनी ही बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने साफ कहा है कि ईरान हर विकल्प पर राजी है। पलटवार को तैयार है। ऐसा हमला करेगा कि अमेरिका भी चौंक जाएगा। ईरान अब झुकने के मूड़ में नहीं दिख रहा है। पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी ने भी कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो हम 90 प्रतिशत तक जाएंगे। अब जब ट्रंप दोबारा सत्ता में हैं और तेहरान के खिलाफ कड़ा रुख अपना रहे हैं तो ये न्यूक्लिर कांड पूरी दुनिया को एक ऐसी जंग में झोंक सकता है जिसे रोकना शायद किसी के बस में नहीं होगा।

अभी सिर्फ ₹3 दाम बढ़े, आगे इतना ज्यादा महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल, एक्सपर्ट्स ने चेताया

(जीएनएस)।

देश में करीब चार साल बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। 15 मई को तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में ₹3 प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह सिर्फ शुरूआत हो सकती है। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहीं, तो आने वाले 3 से 4 महीनों में ईंधन और महंगा हो सकता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक सप्लाई चेन पर मंडरा रहे खतरे के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच चुकी है। ऐसे में भारत जैसी अर्थव्यवस्था, जो अपनी जरूरत का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदती है, उस पर दबाव बढ़ना तय माना जा रहा है।

आखिर अचानक क्यों बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम?

तेल कंपनियां लंबे समय से बढ़ती लागत का बोझ झेल रही थीं। इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगा कच्चा तेल खरीदने के बावजूद लंबे समय तक घरेलू कीमतों में बदलाव नहीं किया।

लेकिन अब हालात ऐसे हो गए कि कंपनियों पर वित्तीय दबाव तेजी से बढ़ने लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक अप्रैल से जून तिमाही में सरकारी तेल कंपनियों को कुल मिलाकर करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये तक का घाटा हो सकता है। यही वजह है कि आखिरकार सरकार और कंपनियों को कीमतें बढ़ानी पड़ीं।

आगे कितने बढ़ सकते हैं दाम?

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा ₹3 की बढ़ोतरी से तेल कंपनियों को सिर्फ थोड़ी राहत मिलेगी। अगर कच्चा तेल 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना रहता है, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी लगभग तय मानी जा रही है।

मास्टर पोर्टफोलियो सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर गुरमीत सिंह चावला के मुताबिक, मौजूदा हालात में नुकसान की भरपाई के लिए कुल मिलाकर करीब ₹10 प्रति लीटर तक की और बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। वहीं कुछ विश्लेषकों का मानना है कि कुल बढ़ोतरी ₹13-14 प्रति लीटर तक भी जा सकती है।

अन्य देशों में कितना है पेट्रोल और डीजल का दाम?

तेल कंपनियों पर कितना बड़ा दबाव है?

युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव शुरू होने से पहले 27 फरवरी को कच्चे तेल की कीमत करीब 67 डॉलर प्रति बैरल थी। अब यह बढ़कर 107 डॉलर के पार पहुंच चुकी है। यानी कुछ ही महीनों में करीब 60 प्रतिशत की तेजी आई है।

इस दौरान भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम लगभग स्थिर रखे गए। इसका सीधा असर सरकारी तेल कंपनियों की कमाई पर पड़ा। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यही स्थिति बनी रही तो आने वाले महीनों में इन कंपनियों की नेटवर्थ पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

चॉइस के ऊर्जा विश्लेषक धवल पोपट के मुताबिक, पेट्रोल-डीजल में प्रति लीटर ₹1 की बढ़ोतरी से सरकारी तेल कंपनियों के सालाना ईबीआईटीडीए में करीब ₹15,000 से ₹16,000 करोड़ तक का सुधार हो सकता है। यानी हालिया ₹3 बढ़ोतरी से कंपनियों को लगभग ₹45,000 करोड़ से ज्यादा की राहत मिल सकती है।

होर्मुज का क्यों बढ़ गया डर?

पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने दुनिया की सबसे अहम तेल सप्लाई लाइन माने जाने वाले होर्मुज को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दुनिया का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से तेल सप्लाई करता है। अगर यहां किसी तरह की रुकावट आती है तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें और तेजी से उछल सकती हैं। इसी खतरे को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में लगातार अस्थिरता बनी हुई है।

आम लोगों पर क्या होगा असर?

अगर पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ती हैं तो इसका असर सिर्फ वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं रहेगा। ट्रांसपोर्ट महंगा होने से खाने-पीने की चीजों, सब्जियों, ऑनलाइन डिलीवरी, हवाई यात्रा और रोजमर्रा के सामान की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि बार-बार ईंधन महंगा होने से महंगाई दर बढ़ सकती है और घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि अगर सरकार टैक्स में राहत देती है या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नीचे आती हैं, तो आने वाले समय में राहत मिल सकती है।

'बच्चे पैदा मत करो, कुत्ते पाल लो', 52 की फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस के बयान ने मचाया बवाल, शादी को लेकर बताया सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस शेफाली शाह एक बार फिर अपने बेबाक अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने शादी, रिश्तों और बच्चों को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। बातचीत के दौरान शेफाली शाह ने युवाओं को जल्दबाजी में शादी न करने की सलाह दी और कहा कि जीवन का इतना बड़ा फैसला लेने से पहले खुद को समझना बेहद जरूरी है।

शेफाली शाह के बयान ने काटा बवाल

शेफाली शाह की बातों ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है, खासकर तब जब उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा- बच्चे पैदा करने से बेहतर है कुत्ते पाल लो। एक्ट्रेस का ये बयान इस समय इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

शेफाली शाही ने कहा- कम उम्र में शादी मत करो

-यूट्यूबर और होस्ट लिली सिंह के साथ बातचीत में शेफाली शाह ने कहा कि कम उम्र में लोग खुद को भी ठीक से नहीं समझ पाते। ऐसे में शादी जैसा बड़ा फैसला लेना सही नहीं होता है।

-शेफाली शाह ने कहा- भगवान के लिए बहुत कम उम्र में शादी मत करो। उस वक्त इंसान को खुद ये तक समझ नहीं आता कि उसे जिंदगी में क्या पसंद है और क्या नहीं। पहले लोगों से मिलो, उन्हें समझो और खुद को जानो, उसके बाद ही शादी के बारे में सोचो।

'फार्महाउस पर आने के लिए 25 लाख, जवान लड़कियों संग', 21 साल की एक्ट्रेस से प्रोड्यूसर ने की गंदी डिमांड

'फार्महाउस पर आने के लिए 25 लाख, जवान लड़कियों संग', 21 साल की एक्ट्रेस से प्रोड्यूसर ने की गंदी डिमांड

शादी को लेकर एक्ट्रेस ने दी मैच्योरिटी वाली सलाह

शेफाली शाह का मानना है कि शादी सिर्फ समाज के दबाव में लिया गया फैसला नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिश्तों को निभाने के लिए भावनात्मक समझ और मैच्योरिटी बेहद जरूरी है। शेफाली ने साफ कहा कि शादी तभी करनी चाहिए जब इंसान मानसिक रूप से तैयार हो और उसे ये पता हो कि वह अपने रिश्ते और जिंदगी से क्या चाहता है।

'बच्चे पैदा मत करो, कुत्ते पाल लो'

-बातचीत के दौरान जब लिली सिंह ने बताया कि वह 37 साल की हैं और अभी तक शादीशुदा नहीं हैं, तो शेफाली शाह ने हंसते हुए ऐसा बयान दे दिया जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी। उन्होंने कहा- मुझे इसके लिए बहुत ट्रोल किया जाएगा लेकिन बच्चे पैदा मत करो, कुत्ते पाल लो।

-शेफाली साह ने आगे कहा कि कुत्ते इंसान को बिना किसी शर्त के प्यार करते हैं और वही सच्चा प्यार होता है। उनका ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस बयान को लेकर एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल करने लगे हैं।

निजी जिंदगी में भी उतार-चढ़ाव देख चुकी हैं शेफाली शाह

अगर शेफाली शाह की निजी जिंदगी की बात करें तो उनकी पहली शादी टीवी एक्टर हर्ष छाया से हुई थी। हालांकि कुछ साल बाद दोनों अलग हो गए। इसके बाद साल 2000 में उन्होंने फिल्म निमार्ता विपुल अमृतलाल शाह से शादी की थी। आज शेफाली और विपुल दो बेटों, आर्यमन और मौर्य के पैरेंट्स हैं और दोनों इंडस्ट्री के चर्चित कपल्स में गिने जाते हैं।

जानवरों से खास लगाव रखती हैं शेफाली

-शेफाली शाह सिर्फ शानदार एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि एक बड़ी एनिमल लवर भी हैं। उनके पास ऐश और सिम्बा नाम के दो साइबेरियन हस्की डॉग्स हैं, जिनकी तस्वीरें और वीडियोज वह अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

-एक पुराने पोस्ट में शेफाली शाह बताया था कि लंबे शूट के बाद घर लौटने पर उनके पालतू जानवर जिस तरह प्यार जताते हैं, वह उनके पूरे दिन की थकान मिटा देता है।

'दिल्ली क्राइम 3' में दिखीं थीं शेफाली शाह

-आपको बता दें कि शेफाली शाह को आखिरी बार 'दिल्ली क्राइम 3' वेब सीरीज में देखा गया था। इस चर्चित सीरीज में उनके साथ हुमा कुरैशी, रशिका दुग्गल, राजेश ताइलांग और सायनी गुप्ता जैसे कलाकार भी दिखाई दिए थे।

-वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' में शेफाली शाह ने डीआईजी वर्तिका चतुर्वेदी का किरदार निभाया था, जो लापता लड़कियों से जुड़े एक बड़े मामले की जांच करती नजर आती हैं। ये शो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काफी पसंद किया गया था।

34 साल बाद सामने आया अमजत खान की मौत का सच, मरने से पहले क्या हुआ था 'गब्बर' के साथ? बेटे का शॉकिंग खुलासा

हिंदी सिनेमा में जब भी सबसे खतरनाक और यादगार विलेन की बात होती है, तो सबसे पहले नाम आता है ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' के 'गब्बर सिंह' का। इस किरदार को पर्दे पर जीवंत करने वाले दिवंगत अभिनेता अमजद खान आज भी करोड़ों दिलों में जिंदा हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार और अलग-अलग तरह के किरदार निभाए लेकिन जो पॉपुलैरिटी उन्हें 'गब्बर' बनकर मिली, वैसी पहचान शायद किसी और रोल से नहीं मिल सकी।

हालांकि पर्दे पर दमदार दिखने वाले अमजद खान की निजी जिंदगी संघर्षों और दर्द से भरी रही। एक भयानक सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी थी। अब 34 साल बाद उनके बेटे शादाब खान ने पिता के एक्सीडेंट, आखिरी दिनों और अमिताभ बच्चन की मदद को लेकर कई इमोशनल खुलासे किए हैं।

अमिताभ बच्चन-अमजद खान की दोस्ती थी बेहद खास

-अमिताभ बच्चन और अमजद खान की जोड़ी सिर्फ पर्दे पर ही नहीं बल्कि असल जिंदगी में भी काफी मजबूत थी। दोनों ने 'शोले', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'नसीब', 'कालिया', 'लावारिस', 'सत्ते पे सत्ता', 'राम बलराम' और 'याराना' जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया था।

-फिल्मों में अमिताभ बच्चन और अमजद खान कई बार आमने-सामने नजर आए लेकिन असल जिंदगी में उनका रिश्ता बेहद गहरा था। शादाब खान ने बताया कि मुश्किल दौर में अमिताभ बच्चन ने उनके परिवार का जिस तरह साथ दिया, उसे वह कभी भूल नहीं सकते।

1976 का वो हादसा जिसने बदल दी अमजद खान की जिंदगी

-शादाब खान ने पत्रकार विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में बताया था कि साल 1976 में उनके पिता एक भयानक सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। उस समय अमजद खान फिल्म 'द ग्रेट गैम्बलर' की शूटिंग के लिए गोवा जा रहे थे। कार में उनके साथ पत्नी, बेटा शादाब और ड्राइवर भी मौजूद थे।

-शादाब के मुताबिक सुबह का समय था और बारिश के कारण सड़क गीली थी। रास्ते में अचानक एक खराब ट्रक सामने आ गया। ट्रक से बचने के लिए ड्राइवर ने कार मोड़ने की कोशिश की लेकिन सड़क फिसलन भरी होने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर सीधे पेड़ से जा टकराई।

रोड एक्सीडेंट में मौत के करीब पहुंच गए थे अमजद खान

-शादाब खान ने उस हादसे को याद करते हुए कहा कि एक्सीडेंट इतना खतरनाक था कि उनके पिता मौत के बेहद करीब पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि उनकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं जबकि खुद उनकी कॉलर बोन टूट गई थी।

-शादाब ने कहा कि हादसे के बाद पूरे परिवार को तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। इसी दौरान अमिताभ बच्चन को घटना की जानकारी मिली और उन्होंने बिना देर किए पूरी जिम्मेदारी अपने हाथ में ले ली।

अमिताभ बच्चन ने हर कदम पर दिया साथ

शादाब खान ने बताया कि अमिताभ बच्चन ने सिर्फ दोस्त होने का फर्ज नहीं निभाया बल्कि परिवार के सदस्य की तरह हर चीज संभाली। शादाब ने कहा- अस्पताल से लेकर इलाज तक, इस मुश्किल वक्त में अमिताभ बच्चन हमारे परिवार के साथ खड़े रहे। उस दौर में बच्चन साहब ने जिस तरह सपोर्ट किया था, उससे उनके और पापा के रिश्ते और भी मजबूत हो गए थे।

'टूट गई थीं हड्डियां, फट गए थे फेफड़े'

-शादाब खान ने बताया- हादसे के बाद अमजद खान की हालत बेहद गंभीर हो गई थी। उनकी कई पसलियां टूट गई थीं, फेफड़ों को गंभीर चोट पहुंची थी और गले में भी गहरी चोट आई थी। वह कुछ समय तक कोमा में भी रहे थे। अमजद खान को हेवी डोज की दवाइंया देनी पड़ी थीं, जिसके कारण उनका वजन बढ़ता ही चला गया। लंबे समय तक उनका इलाज चला और करीब एक साल तक वह बिस्तर पर रहे थे।

-शादाब ने आगे बताया- डॉक्टरों को उनकी टांग में रॉड डालनी पड़ी थी, जिसकी वजह से वह लंबे समय तक एक्सरसाइज नहीं कर सके। धीरे-धीरे उनका वजन तेजी से बढ़ने लगा और हेल्थ लगातार बिगड़ता चला गया।

आखिरी रात को याद कर रोने लगे शादाब खान

-शादाब खान ने पिता अमजद खान की मौत वाली रात का जिक्र करते हुए बेहद भावुक बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि जिस रात अमजद खान का निधन हुआ था, वह घर लौटे तो उनकी मां ने कहा कि जाकर देखो, पापा उठ नहीं रहे हैं।

-जब शादाब कमरे में पहुंचे तो अमजद खान पूरी तरह ठंडे पड़ चुके थे। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक के बाद एक जरूरी इंजेक्शन लाने को कहा था। शादाब तेजी से गाड़ी चलाकर इंजेक्शन लेने गए लेकिन वापस लौटने तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उनसे कहा था कि अगर वह कुछ सेकंड पहले पहुंच जाते, तो शायद उनके पिता की जान बच सकती थी। इस बात का दर्द आज भी शादाब को अंदर तक झकझोर देता है।

मौत के बाद परिवार पर टूटा आर्थिक संकट

शादाब खान ने ये भी खुलासा किया कि अमजद खान के मौत के वक्त फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों पर उनके करीब 1.27 करोड़ रुपये बकाया थे लेकिन पिता की मौत के बाद किसी ने वह पैसा वापस नहीं किया। उन्होंने बताया कि परिवार आर्थिक संकट में घिर गया था और उस मुश्किल दौर में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा था।

आज भी जिंदा है 'गब्बर' की विरासत

अमजद खान की मौत के बाद उनकी करीब 10 फिल्में रिलीज हुई थीं। अमजद खान भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनका निभाया 'गब्बर सिंह' का किरदार हिंदी सिनेमा के इतिहास में हमेशा अमर रहेगा। उनकी दमदार आवाज, खतरनाक अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस आज भी दर्शकों के जेहन में ताजा है।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' की हालत खराब, पहले दिन लाखों में सिमटी

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की बहुचर्चित फिल्म 'आखिरी सवाल' आखिरकार तमाम विवादों और चचाओं के बीच सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज से पहले ही ये फिल्म अपने संवेदनशील विषय और राजनीतिक कंटेंट को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई थी।

बाबरी मस्जिद विध्वंस और आरएसएस की भूमिका पर उठे सवाल

आपको बता दें कि संजय दत्त की इस फिल्म में बाबरी मस्जिद विध्वंस और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की भूमिका से जुड़े कई सवालों को उठाया गया है, जिसकी वजह से दर्शकों के बीच इसे लेकर पहले से ही काफी उत्सुकता थी। हालांकि रिलीज के बाद फिल्म को क्रिटिक्स और एक खास वर्ग के दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला लेकिन इसका फायदा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में नजर नहीं आया।

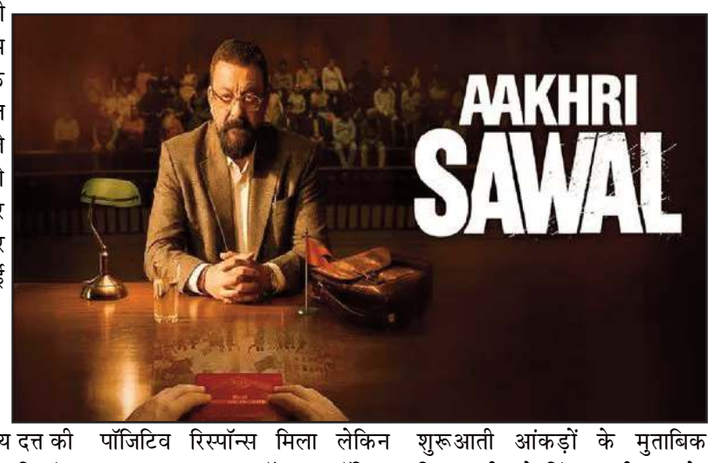

पहले दिन बेहद धीमी रही कमाई

-संजय दत्त की स्टार पावर और फिल्म को मिले अच्छे रिव्यूज के बावजूद फिल्म 'आखिरी सवाल' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक शुरूआत नहीं कर पाई। शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म की ओपनिंग काफी कमजोर रही है।

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'आखिरी सवाल' ने रिलीज के पहले दिन महज 40 लाख रुपये का कारोबार किया है। ये आंकड़ा संजय दत्त जैसे बड़े स्टार और फिल्म के चर्चित विषय को देखते हुए काफी निराशाजनक माना जा रहा है।

-वहीं फिल्म की धीमी शुरूआत ने मेकर्स की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि वीकेंड पर इसमें कुछ बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

संजय दत्त की एक्टिंग की हो रही तारीफ

-भले ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही हो लेकिन संजय दत्त की परफॉर्मेंस को दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। फिल्म में उनका गंभीर और दमदार अंदाज लोगों को प्रभावित कर रहा है।

-खासतौर पर संजय दत्त की डायलॉग डिलीवरी और स्क्रीन प्रेजेंस की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। कई दर्शकों का मानना है कि फिल्म का सबसे मजबूत पक्ष संजय दत्त की एक्टिंग ही है।

क्या है 'आखिरी सवाल' की कहानी?

-'आखिरी सवाल' एक राजनीतिक ड्रामा फिल्म है, जिसकी कहानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा, इतिहास और उससे जुड़े विवादों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़े सवालों और उस दौर की राजनीतिक परिस्थितियों को दिखाने की कोशिश की गई है।

-संजय दत्त इस फिल्म में एक प्रोफेसर की भूमिका निभा रहे हैं, जो समाज और इतिहास से जुड़े जटिल सवालों के जवाब देते नजर आते हैं। फिल्म का विषय गंभीर और संवेदनशील होने की वजह से यह शुरूआत से ही चर्चा का केंद्र बनी हुई थी।

दमदार स्टारकास्ट ने बढ़ाया फिल्म का आकर्षण

फिल्म में संजय दत्त के अलावा नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, अमित साध, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म में सभी कलाकारों की एक्टिंग को काफी मजबूत बताया जा रहा है और दर्शकों ने उनके काम की तारीफ भी की है।

क्या वीकेंड पर बदल जाएगी फिल्म की किस्मत?

अब सभी की नजरें फिल्म के वीकेंड कलेक्शन पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि अगर वर्ड ऑफ माउथ पॉजिटिव रहा, तो आने वाले दिनों में फिल्म की कमाई में उछाल आ सकता है। हालांकि मौजूदा बॉक्स ऑफिस ट्रेंड को देखते हुए ये कहना मुश्किल होगा कि फिल्म लंबी रेस में कितना टिक पाएगी।

चेन्नई को हराने के बाद लखनऊ के कप्तान पर लगा 12 लाख का जुमार्ना

(जीएनएस)।

स्पोर्ट्स तक के इस वीडियो में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान पर लगाए गए जुमार्ने के बारे में चर्चा की गई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में लखनऊ की टीम ने जीत हासिल की, लेकिन स्लो ओवर रेट बनाए रखने के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने लखनऊ के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने टूनार्मेंट के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत यह कार्रवाई की है। यह पहली बार है जब लखनऊ की टीम पर स्लो ओवर रेट के लिए जुमार्ना लगा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम के एक बल्लेबाज ने 90 रन बनाए। हालांकि, इस जीत से पॉइंट्स टेबल में टीम की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं आया है और टीम अभी भी निचले स्थान पर बनी हुई है। इससे पहले भी टूनार्मेंट में कई अन्य टीमों के कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के कारण जुमार्ना लगाया जा चुका है।

स्पोर्ट्स तक के इस वीडियो में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान पर लगाए गए जुमार्ने के बारे में चर्चा की गई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में लखनऊ की टीम ने जीत हासिल की, लेकिन स्लो ओवर रेट बनाए रखने के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने लखनऊ के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने टूनार्मेंट के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत यह कार्रवाई की है। यह पहली बार है जब लखनऊ की टीम पर स्लो ओवर रेट के लिए जुमार्ना लगा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम के एक बल्लेबाज ने 90 रन बनाए। हालांकि, इस जीत से पॉइंट्स टेबल में टीम की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं आया है और टीम अभी भी निचले स्थान पर बनी हुई है। इससे पहले भी टूनार्मेंट में कई अन्य टीमों के कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के कारण जुमार्ना लगाया जा चुका है।

लखनऊः इंस्टाग्राम वाले दोस्त से हुआ झगड़ा, गुस्से में नहर में कूद गई 19 साल की लड़की, अस्पताल में तोड़ा दम

(जीएनएस)।

यूपी की राजधानी लखनऊ में इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती एक दर्दनाक हादसे में बदल गई. दोस्त से झगड़े के बाद 19 साल की लड़की ने शारदा नहर में छलांग लगा दी. पुलिस ने लड़की को नहर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. फिलहाल, इस पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है.

लखनऊ में सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती एक दर्दनाक हादसे में बदल गई. इंस्टाग्राम के जरिए बने एक दोस्त से विवाद के बाद 19 साल की लड़की ने शारदा नहर में छलांग लगा दी. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और उस युवक की भूमिका भी खंगाली जा रही है, जो घटना के वक्त युवती के साथ मौजूद था.

घटना कृष्णा नगर इलाके की है. मृतका की पहचान 19 वर्षीय अंजलि के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली थी. वह लखनऊ में रहकर लोगों के घरों में काम करती थी. परिवार के अनुसार, अंजलि की पहचान इंस्टाग्राम के जरिए गोमती नगर में रहने वाले एक युवक से हुई थी.

गुरुवार सुबह अंजलि घर से यह कहकर निकली थी कि वह युवक के साथ प्रयागराज जा रही है. इसी दौरान दोनों श्क्ढ रोड पर स्थित शारदा नहर के पास पहुंचे. पुलिस के मुताबिक, यहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि झगड़े के बाद अंजलि ने अचानक गुस्से में नहर में छलांग लगा दी.

घटना के बाद जो जानकारी सामने आई, उसने मामले को और उलझा दिया. चश्मदीदों के मुताबिक, युवती के नहर में कूदते ही उसके साथ मौजूद युवक उसका मोबाइल फोन लेकर मौके से भाग गया. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी.

सूचना मिलते ही आशियाना पुलिस मौके पर पहुंची. स्थानीय लोगों की मदद से अंजलि को नहर से बाहर निकाला गया. उस समय उसकी सांसें चल रही थीं. पुलिस ने बिना देर किए उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना की खबर मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. फिलहाल परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत या आरोप नहीं लगाया गया है.

इस मामले को लेकर अउढ कृष्णानगर ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है. अभी तक परिजनों की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है. उन्होंने तहरीर नहीं दी है. फिलहाल पुलिस इंस्टाग्राम दोस्त और घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों की जांच कर रही है. सवाल यह भी है कि लड़की के नहर में कूदने के बाद युवक मोबाइल लेकर क्यों भाग. पुलिस हर एंगल से मामले की पड़ताल में जुटी है.

लखनऊ जाने वाली गाड़ियां प्रभावित, मेमू 40 दिन रहेगी निरस्त, एक्सप्रेस ट्रेनों के भी रूट बदले

(जीएनएस)।

लखनऊ में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर लखनऊ स्टेशन जाने वाली गाड़ियां 15 मई से 23 जून तक प्रभावित रहेंगी। इस दौरान झांसी-लखनऊ मेमू को अगले 40 दिनों तक निरस्त कर दिया है। वहीं लखनऊ जाने वाली ट्रेनों को मार्ग परिवर्तित कर निकाला जाएगा।

पीआरओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर झांसी से लखनऊ जाने वाली झांसी-लखनऊ मेमू (64701) 15 मई से 23 जून तक कानपुर सेंट्रल तक जाएगी। वहीं, लखनऊ से झांसी आने वाली मेमू लखनऊ की जगह कानपुर से संचालित होगी। इसके अलावा गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (11080) 16 मई से 20 जून, मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस (19054) 17 मई से 21 जून तक बाराबंकी, लखनऊ, मानकनगर के बजाए परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मलहौर, ऐशबाग, कानपुर होकर चलेगी। वहीं लोकमान्य तिलक टर्मिनस से चलकर गोरखपुर जा रही एलटीटी एक्सप्रेस (11079) 14 मई से 18 जून, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस (15066) 15 मई से 22 जून तक, पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस (15030) 16 मई से 20 जून तक व सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस (19053) 15 मई से 19 जून तक कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी की बजाए परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, मलहौर, बाराबंकी होकर चलेगी। उक्त गाड़ियां लखनऊ स्टेशन पर नहीं रुकेगी। बल्कि उक्त तिथियों तक ऐशबाग, बादशाहनगर स्टेशन पर ठहराव लेंगी।

वेलनेस सिटी को मिलेगा बड़ा बूस्ट, ग्रीन कॉरिडोर से जुड़ेगी पूरी योजना, 10 लाख लोगों को मिलेगा फायदा

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की महत्वाकांक्षी वेलनेस सिटी योजना को अब ग्रीन कॉरिडोर के जरिए नई रफ्तार मिलने जा रही है। शहीद पथ से किसान पथ को जोड़ने वाले ग्रीन कॉरिडोर के चौथे चरण को इस परियोजना के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। योजना के चार प्रमुख मार्गों को इस कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल आवागमन आसान होगा बल्कि भविष्य में विकसित होने वाली मेडी सिटी को भी मजबूत कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

एलडीए का दावा है कि इस परियोजना से राजधानी के ट्रैफिक दबाव को कम करने के साथ-साथ करीब 10 लाख लोगों को सीधा फायदा मिलेगा।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। अधिकारियों के मुताबिक सुलतानपुर रोड और किसान पथ के बीच करीब 485 हेक्टेयर क्षेत्र में वेलनेस सिटी विकसित की जा रही है। इसके लिए बक्कास, मलूकपुर ढकवा, चौरहिया, चौरासी, दुलारमऊ, नूरपुर बेहटा और मस्तेमऊ गांवों की जमीन चिन्हित की गई है।

मेडी सिटी के रूप में विकसित होगी वेलनेस सिटी

एलडीए की योजना के अनुसार वेलनेस सिटी को एक आधुनिक मेडी सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, विपश्यना और मेडिटेशन सेंटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

अधिकारियों का कहना है कि यह परियोजना राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम देगी और लोगों को एक ही स्थान पर बेहतर मेडिकल और वेलनेस सुविधाएं मिल सकेंगी।

ग्रीन कॉरिडोर से मिलेगी हाईस्पीड कनेक्टिविटी

वेलनेस सिटी की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 60 मीटर से लेकर 24 मीटर तक चौड़ी सड़कें विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही शहीद पथ से किसान पथ तक करीब 6.5 किलोमीटर लंबे और 24 मीटर चौड़े ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण तेजी से चल रहा है।

एलडीए अधिकारियों के मुताबिक योजना के चार प्रमुख मार्गों को इस कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा, जिससे वेलनेस सिटी तक पहुंचना आसान हो जाएगा। ग्रीन कॉरिडोर बनने से ट्रैफिक जाम कम होगा और शहर के कई हिस्सों के बीच तेज और सुगम कनेक्टिविटी मिलेगी।

बारिश से पहले मिट्टी भराई पूरी करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने अधिकारियों को बारिश शुरू होने से पहले मिट्टी भराई का काम पूरा करने के निर्देश दिए। प्राधिकरण चाहता है कि मानसून से पहले सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्राथमिक कार्य तेजी से पूरे कर लिए जाएं ताकि निर्माण कार्य प्रभावित न हो।

फोरलेन सड़क से आसान होगा आवागमन

ग्रीन कॉरिडोर को सुलतानपुर रोड से जोड़ने के लिए आर्मी लैंड से मरी माता मंदिर तक करीब 1800 मीटर लंबी फोरलेन सड़क का निर्माण भी शुरू हो चुका है। इस सड़क के बनने से गोमती नगर विस्तार से अर्जुनगंज तक आवागमन काफी आसान हो जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना से करीब 10 लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी बड़ी राहत मिलेगी।

किसानों से भूमि जुटाने की प्रक्रिया जारी

वेलनेस सिटी परियोजना के लिए भूमि जुटाने का काम लैंड पूलिंग, अर्जन और किसानों की सहमति के आधार पर किया जा रहा है। अब तक 427 किसानों से करीब 75 हेक्टेयर भूमि के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

वहीं लगभग 30 हेक्टेयर भूमि का लैंड पूलिंग एग्रीमेंट भी हो चुका है। एलडीए के अनुसार जल्द ही किसानों को लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से विकसित भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

राजधानी के विकास में अहम परियोजना

एलडीए का मानना है कि वेलनेस सिटी और ग्रीन कॉरिडोर परियोजना राजधानी लखनऊ के इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ सेक्टर के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। बेहतर सड़क नेटवर्क, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं और तेज कनेक्टिविटी इस क्षेत्र को आने वाले समय में राजधानी के प्रमुख विकास केंद्रों में शामिल कर सकती है।

चीन-यूएस के बीच फंसा भारत क्या छोड़ेगा ईरान का चाबहार? किससे होगा युद्ध?

(जीएनएस)।

अमेरिका द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह को दी गई सैंक्शन्स वेवर यानी प्रतिबंधों में छूट 26 अप्रैल, 2026 को खत्म हो गई है। इसी वजह से भारत एक बड़ी रणनीतिक दुविधा में फंसता हुआ दिख रहा है। यह सिर्फ एक बंदरगाह का मामला नहीं है, बल्कि भारत की पूरी विदेश नीति और कनेक्टिविटी रणनीति से जुड़ा मुद्दा है।

भारत के लिए चाबहार का असली मतलब क्या?

चाबहार बंदरगाह का महत्व हमेशा व्यापार से ज्यादा रणनीतिक रहा है। यह भारत को पाकिस्तान को बायपास करके सीधे अफगानिस्तान और मिडिल ईस्ट तक पहुंच देता है। यानी भारत के लिए यह एक ऐसा 'बैकडोर रूट' है जो जियो-पॉलिटिक्स में बहुत बड़ा फायदा देता है।

कब हुआ था समझौता?

चाबहार की नींव 2003 के शुरूआती समझौतों में रखी गई थी। बाद में 2024 के 10 साल के ऑपरेशनल एग्रीमेंट ने इसे और मजबूत किया। यह बंदरगाह इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (क्टरळउ) का एक अहम हिस्सा बनने वाला था, जो भारत को यूरेशिया के व्यापार नेटवर्क से जोड़ता है।

ईरान सिर्फ पड़ाव, मंजिल थी कुछ और

भारत ने चाबहार में इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश किया और जाहेदान तक रेल कनेक्टिविटी की योजना भी बनाई। इसका मकसद भारत को सीधे यूरेशियन ट्रेड रूट्स से जोड़ना था। इसके जरिए भारत की रणनीतिक पकड़ भी मजबूत होने की उम्मीद थी।

कैसे बनता गया भारत का भरोसा?

अफगानिस्तान को भेजी गई मानवीय सप्लाई जैसी सीमित लेकिन महत्वपूर्ण सफलताओं ने दिखाया कि यह रूट एक असली विकल्प बन सकता है। यह भारत के लिए पारंपरिक रास्तों के मुकाबले एक भरोसेमंद विकल्प साबित हो सकता था।

अब असली मुसीबत क्या है?

चाबहार का लॉजिक अभी भी वही है, लेकिन इसका ऑपरेशनल माहौल बदल गया है। अमेरिकी छूट

खत्म होने से वह कानूनी और फाइनेंशियल स्पेस खत्म हो सकता है, जिससे भारत ईरान के साथ अपने जुड़ाव को पहले की तरह आसानी से मैनेज नहीं कर पाएगा।

सेकेंडरी सैंक्शन्स का क्यों सता रहा डर?

अमेरिका के सेकेंडरी सैंक्शन्स का मतलब है कि जो भी ईरान से जुड़ा होगा, उस पर भी असर पड़ सकता है। यह सिर्फ डायरेक्ट कंपनियों तक सीमित नहीं रहता। भारत के लिए खतरा बैंकिंग सिस्टम, ट्रेड फ्लो और यहां तक कि अमेरिका के साथ आर्थिक रिश्तों पर भी पड़ सकता है।

भारत का व्यावहारिक फैसला क्यों?

इसी दबाव के कारण भारत का चाबहार में ऑपरेशनल कंट्रोल कम करना एक रणनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक मजबूरी जैसी स्थिति मानी जा रही है। यह दिखाता है कि सिस्टम प्रेशर कई बार देशों की विदेश नीति को भी प्रभावित कर देता है। एक तरह से कहें तो भारत ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

मल्टी-अलाइनमेंट स्ट्रैटेजी का असली इम्तिहान

भारत की विदेश नीति मल्टी-अलाइनमेंट पर चलती है, यानी एक साथ कई देशों से संबंध रखना। भारत अमेरिका (दवअऊ के जरिए), ईरान और रूस, सबके साथ बैलेंस बनाकर चलता है। लेकिन चाबहार का केस दिखाता है कि हर साझेदारी बराबर नहीं होती। आपको अपने हितों के बारे में पहले सोचना ही पड़ता है। असल में दुनिया की फाइनेंशियल सिस्टम पर अमेरिका का बहुत बड़ा कंट्रोल है। इसलिए वाशिंगटन के फैसले सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहते, बल्कि दूसरे देशों की नीतियों को भी प्रभावित करते हैं। इससे कोई अछूता नहीं रहता और इसीलिए भारत भी इनमें से एक है।

दबाव में कम होती

भारत का रणनीतिक दबदबा यानी खुद फैसले लेने की आजादी अच्छी चीज है, लेकिन चाबहार केस दिखाता है कि दबाव में यह दबदबा सीमित हो गया है। जब चुनना पड़ता है, तो स्पेस काफी कम हो जाता है। दूसरी तरफ चाबहार भारत के लिए अफगानिस्तान और मिडिल ईस्ट तक पहुंच का सबसे अहम रास्ता था। यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रभाव का भी तरीका था। अगर इसका इस्तेमाल कम होता है, तो भारत की क्षेत्रीय पकड़ कमजोर हो सकती है।

विकल्प हैं या नहीं? चीन कर रहा इंतजार

बाकी रास्ते या तो अस्थिर हैं या राजनीतिक रूप से मुश्किल। अफगानिस्तान की स्थिति पहले से ही अनिश्चित है और पूरे क्षेत्र में तनाव बना रहता है। ऐसे में चाबहार का विकल्प कमजोर पड़ना भारत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। अगर भारत पीछे हटता है, तो चीन आसानी से अपनी मौजूदगी बढ़ा सकता है। चीन पहले से ही बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (इफ्क्र) के जरिए ऐसे क्षेत्रों में निवेश करता है जहां जोखिम ज्यादा होता है। इससे चाबहार जैसे प्रोजेक्ट में उसका प्रभाव बढ़ सकता है।

ग्वादर और अरब सागर का बैलेंस

भारत लंबे समय से चाबहार को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के मुकाबले एक बैलेंस की तरह देखता आया है। लेकिन अगर चीन यहां मजबूत होता है, तो अरब सागर में रणनीतिक संतुलन बदल सकता है। आज की स्थिति में क्टरळउ, इफ्क्र और अन्य कॉरिडोर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अब ये सिर्फ आर्थिक प्रोजेक्ट नहीं हैं, बल्कि भू-राजनीतिक लड़ाई का हिस्सा बन चुके हैं।

कितना रिस्क?

सैंक्शन्स, युद्ध और राजनीतिक तनाव की वजह से बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट लगातार जोखिम में रहते हैं। अब लॉन्ग टर्म प्लानिंग की जगह शॉर्ट टर्म रिस्क मैनेजमेंट ज्यादा जरूरी हो गया है। अगर चीन चाबहार में अपनी पकड़ बढ़ाता है, तो वह सिर्फ ग्वादर मॉडल को दोहराएगा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में अपना नेटवर्क और मजबूत करेगा। इससे उसे व्यापार, फाइनेंस और रणनीति तीनों स्तर पर फायदा मिलेगा।

अमेरिका का नजरिया

अमेरिका के लिए भारत की भूमिका बहुत अहम है क्योंकि भारत चीन को बैलेंस करता है। अगर भारत की भूमिका कमजोर होती है, तो अमेरिका की क्षेत्रीय रणनीति पर भी असर पड़ेगा। लिहाजा चाबहार का मुद्दा सिर्फ एक बंदरगाह नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक सोच का कड़ा इम्तिहान है। इस समय भारत को अपनी स्ट्रेटजी, अंतर्राष्ट्रीय हित और दबाव, सबके बीच बैलेंस बिठाना होगा।

यूपी वालों के लिए अलर्ट, अगले 48 घंटे आसमान से बरसेगी आग! कब होगी बारिश? आईएमडी ने दिया अपडेट

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित पूरे राज्य में इन दिनों आसमान से आग बरस रही है। सूरज के तल्ख तेवरों और चिलचिलाती धूप ने आम जनजीवन को पूरी तरह से बेहाल कर दिया है। पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण सुबह होते ही तीखी धूप लोगों को झुलसाने लगती है, जिससे दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है।

उत्तर प्रदेश में शनिवार से ही मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। गुरुवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। इसके मुताबिक, अगले 48 घंटों के दौरान लखनऊ और आसपास के जिलों में भीषण लू चलने की आशंका है, जिससे गर्मी का प्रकोप और ज्यादा बढ़ेगा।

भीषण गर्मी और गर्म हवाओं के थपेड़ों के कारण राहगीरों, दिहाड़ी मजदूरों और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर के समय तापमान अपने चरम पर होने की वजह से बाजारों में भीड़ काफी कम देखी जा रही है। लोग बहुत जरूरी होने पर ही पूरी तरह से खुद को ढककर घरों से बाहर निकल रहे हैं। प्यास बुझाने और राहत पाने के लिए लोग सड़कों पर लगे ठंडे पानी के प्याऊ और शीतल पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं।

18 मई से बारिश के आसार

भले ही अगले दो दिन लखनऊ वासियों को भीषण गर्मी में तपने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, लेकिन इसके बाद एक बड़ी राहत मिलने वाली है। हालांकि कुछ इलाकों में आसमान में काले बादल छाने और तेज हवाएं चलने से मामूली राहत मिल रही है, लेकिन लोगों को असली इंतजार मानसूनी फुहारों का है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तपन से निजात दिलाने के लिए 18 मई से बारिश के आसार बन रहे हैं, जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

बिजली गिरने की घटनाओं से बचाएगा यह खास एप

प्री-मानसून और मानसून के सीजन में अक्सर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की घटनाएं सामने आती हैं, जिससे भारी जान-माल का नुकसान होता है। इस जनहानि को रोकने के लिए मौसम विभाग ने 'दामिनी-लाइटनिंग अलर्ट एप' विकसित किया है। यह एप पूरे भारत में बिजली गिरने की गतिविधियों की लाइव निगरानी करता है।

यह एप उपयोगकर्ता की जीपीएस (GPS) लोकेशन के आधार पर काम करता है और यदि आपके 20 से 40 किलोमीटर के दायरे में बिजली गिरने की कोई भी संभावना होती है, तो यह तुरंत आपके मोबाइल पर अलर्ट भेज देता है, जिससे समय रहते सुरक्षित स्थान पर जाया जा सकता है।

UP में विनाशकारी तूफान का तांडव

इस भीषण गर्मी के बीच बीते बुधवार को उत्तर प्रदेश में आए विनाशकारी तूफान और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई है, जिसने हालिया इतिहास के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बरेली और प्रयागराज में 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली चक्रवात जैसी हवाओं और आकाशीय बिजली के कारण राज्य के अलग-अलग जिलों में 117 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 79 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

इस खौफनाक आपदा में सबसे ज्यादा मौतें तेज हवाओं के कारण मकान और दीवारें गिरने की वजह से हुईं। पूरे प्रदेश में 330 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए और 177 बेजुबान पशुओं की भी जान चली गई। प्रयागराज, संत रविदास नगर और सोनभद्र इस आपदा से सबसे बुरी तरह प्रभावित जिले रहे हैं।

क्यों इतना खतरनाक था यह तूफान?

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तूफान के इतना विकराल होने के पीछे तीव्र गर्मी और बंगाल की खाड़ी से आई नमी का खतरनाक टकराव था। पूर्वी और पश्चिमी हवाओं के आपस में भिड़ने और हरियाणा व उत्तर-पश्चिमी यूपी के ऊपर एक्टिव ऊपरी वायु चक्रवाती सकुर्लेशन ने इसे चक्रवात जैसी ऊर्जा दे दी। हालांकि, आईएमडी के लखनऊ केंद्र ने डॉप्लर वेदर रडार और सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए इसकी लगातार निगरानी की थी। पहले 60 डटढल की हवाओं के लिए 'येलो अलर्ट' जारी हुआ था, जिसे बाद में बढ़ाकर 'ऑरेंज' और फिर 'रेड अलर्ट' किया गया था। प्रशासन को हर तीन घंटे में अपडेट भेजने के साथ ही 'सचेत' (SACHET) सिस्टम के जरिए लाखों लोगों को एसएमएस (SMS) अलर्ट भी भेजे गए थे।

चीन से मिले गिफ्ट डस्टबिन में फेंक कर चले गए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, नाराजगी या कोई और वजह?

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हालिया चीन यात्रा कूटनीतिक तौर पर काफी अहम मानी जा रही थी। लेकिन इस दौरे के खत्म होते ही एक ऐसा मामला सामने आया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। दरअसल ट्रंप के प्रतिनिधिमंडल ने चीन से मिले सभी गिफ्ट, बर्नर फोन, पहचान पत्र और यहां तक कि छोटे-छोटे पिन भी अमेरिका लौटने से पहले ही नष्ट कर दिए। कुछ चीजों को फाड़ा गया जबकि कई वस्तुएं सीधे कूड़ेदान में फेंक दी गईं।

जिनपिंग से नाराजगी या कोई और वजह?

यह फैसला सामान्य नहीं था। अमेरिका को लंबे समय से चीन की जासूसी गतिविधियों और डेटा चोरी को लेकर चिंता रही है। इसी वजह से अमेरिकी अधिकारियों ने कोई भी ऐसी वस्तु अपने साथ वापस ले जाने से बचने का फैसला किया जो संभावित रूप से ट्रैकिंग, निगरानी या साइबर जासूसी का जरिया बन सकती थी।

कौन-कौन सी चीजें की गई नष्ट?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने वापसी से पहले चीन की तरफ से दी गई हर सेंसटिव वस्तु को इकट्ठा किया। इनमें व्हाइट हाउस स्टाफ को दिए गए बर्नर फोन, डेलीगेशन पिन, पहचान पत्र और अन्य इलेक्ट्रॉनिक या आधिकारिक

सामग्री शामिल थी। एयर फोर्स वन में चढ़ने से ठीक पहले इन सभी चीजों को या तो नष्ट कर दिया गया या कूड़ेदान में डाल दिया गया।

पत्रकार एमिली गुडिनन ने किया खुलासा

इस पूरी घटना की पुष्टि अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क पोस्ट की पत्रकार Emily Goodin ने की। वह अमेरिकी प्रेस दल के साथ चीन यात्रा पर मौजूद थीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'चीन से कोई भी चीज विमान में लाने की अनुमति नहीं है। हम अब अमेरिका वापस उड़ान भरने वाले हैं।'

व्हाइट हाउस ने नहीं दिया कोई आधिकारिक बयान

हालांकि इस पूरे मामले पर ट्रंप प्रशासन या व्हाइट हाउस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। लेकिन इस कदम ने साफ दिखा दिया कि अमेरिका और चीन के रिश्तों में भरोसे की कमी अभी भी काफी गहरी है। एक और बात, अमेरिका के अधिकारी प्रोटोकाल के मामले में बेहद सख्त हैं।

अमेरिका के सुरक्षा प्रोटोकॉल कितने सख्त हैं?

असल में यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था। अमेरिकी काउंटरइंटेलिजेंस और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए ऐसे कदम सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माने जाते हैं। जब कोई अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल किसी प्रतिद्वंद्वी देश का दौरा करता है, तब इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, बर्नर फोन और संवेदनशील सामग्री को नष्ट करना संभावित जासूसी से बचने का तरीका माना जाता है।

नौ साल बाद ट्रंप का बड़ा चीन दौरा

यह यात्रा खास इसलिए भी थी क्योंकि लगभग नौ साल बाद ट्रंप ने चीन का दौरा किया। इस दौरान उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति खल्लस्रल्लॅ से हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दोनों नेताओं की सातवीं सीधी मुलाकात थी।

अमेरिका-चीन रिश्तों में अब भी गहरा अविश्वास

चीन यात्रा के दौरान दिखी राजनयिक गर्मजोशी के बावजूद वापसी के समय अपनाए गए सुरक्षा उपायों ने एक अहम संदेश दिया। अमेरिका और चीन के बीच संबंध अभी भी पूरी तरह भरोसेमंद नहीं हैं। दोनों देश एक-दूसरे को रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखते हैं और इसी वजह से हर स्तर पर सावधानी बरती जाती है।